ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Speech **4 May, 2024**

Smt. Priyanka Gandhi Vadra, General Secretary, AICC, addressed the public at Nyay Sankalp Sabha in Banaskantha, Gujarat, today.

श्रीमती प्रियंका गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- प्यारी बहनो, प्यारे भाई, बहुत समय से इंतजार कर रहे होंगे आप। आपकी बहुत आभारी हूं कि आपने इतना इंतजार किया। श्री शक्ति सिंह गोहिल जी, श्रीमती गनीबेन ठाकोर जी, श्री जगदीश ठाकुर जी, श्री जिग्नेश मेवाणी जी, श्री रामकिशन ओझा जी, श्री भरत सिंह वाघेला जी, श्री बलदेव ठाकुर जी, श्री राजू भाई जोशी जी, कांतिभाई खराड़ी जी और मंच पर विराजमान सभी नेतागण, सभी पदाधिकारीगण, मेरे प्यारे कार्यकर्ता भाईयो, बहनो, आप सबका इस सभा में बहुत-बहुत स्वागत। अभी मुझे मां अंबा जी का एक चित्र दिया गया, इसलिए शायद उचित रहेगा एक बार सभा शुरु करने से पहले मेरे साथ मां अंबा जी की एक बार जोर से जय कहिए। मां अंबा जी की (जनसभा ने कहा - जय)। मां नादेश्वरी जी की (जनसभा ने कहा - जय) और गेला हनुमान जी की जय (जनसभा ने कहा - जय)।

देखिए, ये गुजरात की धरती है, यहाँ से इस दुनिया के सबसे, शायद इस पूरी हमारी जो पीढ़ी है और इससे पहले की पीढ़ियां, उसमें शायद दुनिया की सबसे महान हस्ती आपने, गुजरात ने इस दुनिया को दी। महात्मा गांधी जी यहाँ पर जन्मे। श्री सरदार पटेल जी भी गुजरात के ही पुत्र थे। वीर रणछोड़ रबारी जी भी इसी धरती के थे। ये सारे महापुरुष किस लिए लड़े, ये सारे महापुरुष आपकी आजादी के लिए लड़े, ठीक है ये पुरानी बात है। 70 साल निकल गए, बीत गए, हमारा देश आजाद है, स्वतंत्र है। हमारे देश में एक संविधान बना, इसी लड़ाई से उभरा, जितने भी हमारे स्वतंत्रता सेनानी थी, जितने भी बड़े-बड़े महापुरुष रहे, चाहे पटेल जी हों, चाहे गांधी जी हों, चाहे नेहरू जी हों, सबने लड़कर, ब्रिटिश साम्राज्य से लड़कर हमारे देश को आजाद करवाया और

हमें एक संविधान दिया। ये संविधान जो उन्होंने हमें दिया इसका महत्व आपको समझना पड़ेगा।

आज बहुत ही जरूरी है कि आप कुछ मूल बातें जो गहरी बातें हैं, हमारे देश की राजनीति के बारे में और अपने जीवन के बारे में, आप ठीक ढंग से समझें, ताकि जो निर्णय आप लेने जा रहे हैं चुनाव में, वो आप सोच समझ कर और सारी जानकारी लेकर लें। जब हम संविधान की बात करते हैं, खास करके इसलिए हम ये आज ये बात उठा रहे हैं, क्योंकि भाजपा के कई नेताओं ने जो चुनाव लड़ रहे हैं, कुछ मंत्रियों ने देशभर में जो घूम रहे हैं, उन्होंने कहा कि अगर भाजपा फिर से जीतेगी, तो संविधान बदला जाएगा। तो आज सबसे पहली बात मैं संविधान के बारे में करना चाहती हूं। क्योंकि ये संविधान क्या है और किस तरह से आपके जीवन पर इसका प्रभाव पड़ता है, ये समझना जरूरी है।

संविधान से आपको अधिकार मिलते हैं। सबसे बड़े अधिकार ये है कि आप वोट डाल सकते हैं। ये आपको अधिकार दिया गया है, देश के किसान को, देश के गरीब को, देश के मजदूर को और देश के प्रधानमंत्री को भी, देश के मंत्रियों को भी, देश की बड़ी-बड़ी शख्सियतों को भी यही एक अधिकार मिला है। मतलब, सबका एक समान अधिकार है। जितनी आपके वोट में शक्ति है, उतनी शक्ति उनके वोट में है। उनके वोट में आपसे ज्यादा शक्ति नहीं है। देश में जितने भी देशवासी हैं, उनका एक समान अधिकार ये वोट है। ये वोट संविधान ने दिया है आपको। आरक्षण भी संविधान ने दिए हैं आपको।

तो जो आरक्षण का अधिकार है कि किसी समुदाय को या किसी जाति को अगर लगता है कि ठीक ढंग से मौके नहीं मिल रहे हैं, काफी सालों से उनके साथ अत्याचार हुआ है या शोषण हुआ है, तो संविधान कहता है कि आपको कुछ अधिकार मिलने चाहिएं और आपको आरक्षण मिलना चाहिए। मतलब, रोजगार मिलता है, तो आपके लिए कुछ रोजगार आरक्षित हों। ये भी संविधान आपको देता है। तो ये दो बहुत बड़ी चीजें हैं, जो आपको संविधान द्वारा मिलती है।

इसके साथ-साथ आप अगर किसी की आलोचना करना चाहें या किसी नेता से या राजनीतिक दल से सवाल उठाना चाहें कि क्या किया है मेरे लिए, ऐसा काम आपने क्यों किया, तो आप आंदोलन भी कर सकते हैं। आप खड़े हो सकते हैं, अपनी आवाज उठा सकते हैं। ये भी अधिकार आपको संविधान ने दिया है।

अब जब ये लोग कहते हैं कि संविधान को बदलना चाहते हैं, तो इनका क्या मतलब है। इनका मतलब ये है कि जितने भी अधिकार आपको दिए गए हैं, वो अधिकार कम करेंगे। उनको कमजोर किया जाएगा। क्योंकि अगर आप आज की राजनीति को देखें और समझें तो आपको स्पष्ट पता चलेगा कि पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जो सबसे बड़ा काम किया है, वो ये काम किया है कि जनता के अधिकारों को कमजोर किया है।

एक जमाने में, मैं हमेशा ये कहानी बताती हूं। एक जमाने में बड़े-बड़े प्रधानमंत्री होते थे। वो आपके गांव आते थे, वो आपके घरों में आते थे और जब आपके घरों और आपके गांव में आते थे, तो आप अपना हक मांगते थे। मैंने खुद अपने पिता जी, अपनी दादी जी के साथ देखा है।

मैं यूपी के किसी छोटे से गांव में गई, एकदम पिछड़े जिले में, जहाँ पर मेरा पहुंचना आज के दिन मुश्किल था, क्योंकि बहुत लंबा सफर था गाड़ी से, रास्ते में हेलीकॉप्टर लिया, फिर गाड़ी ली, फिर पहुंची और जब मैं एक गांव में गई तो एक छोटी सी बुढिया ने मुझे वहाँ बताया, छोटी इसलिए कि इतनी बुढिया थी कि वो ऐसे झुकी हुई थी, उन्होंने मुझे बताया कि जब आपकी दादी जी आई थी, तो जो खीर मैं आपको खिला रही हूं, ऐसी ही खीर मैंने बनाकर उनको खिलाई थी।

मैं अपने पिता जी के साथ गांव जाती थी इनके पीछे-पीछे। तो अपने ही संसदीय क्षेत्र में जब वो किसी के घर में चले जाते, तो अगर कोई सुविधा नहीं मिली होती या पानी नहीं आ रहा है या उस जमाने वो इंडिया मार्क लगता था, वो नल नहीं लगा है या सड़क नहीं बनी है, तो डांट खाते थे। जनता डांटती थी कि आप प्रधानमंत्री हैं, हमारा नल नहीं लगाया आपने और लोग कहते थे उनसे कि देखिए, वोट हम आपको तब देंगे, जब आप सड़क बनाएंगे, जब आप पानी लाएंगे। प्यार तो हम आपको बहुत करते हैं, आओ, खाओ, चाय पियो, लेकिन वोट तब मिलेगा, जब आप हमारा काम करेंगे।

ये राजनीति थी एक जमाने की और इस राजनीति का आधार किसने डाला, गुजरात के सबसे महान बेटे ने डाला- महात्मा गांधी जी ने। महात्मा गांधी जी ने सारे नेताओं से अपनी संपत्ति छुटवाई, सबको जमीन पर लाए, सबको घरों में ले गए गरीबों के कि समस्याओं को सुनो और जो जनता है देश की, वो सर्वोपरि है। ये बात गांधी जी ने सिखाई और गांधी जी ने कहाँ से सिखी ये बात खुद, भगवत गीता से, हिंदू धर्म से।

जो महान गुरु होते थे हमारे, उनसे पहले, वो सारे आपके बीच आते थे, पैदल चलते थे। सुनते थे कि समस्याएं क्या हैं, कि मेरी बहने बैठी हैं, कैसे चला रही हैं वो अपना जीवन। महंगाई हो रही है, कुछ खरीद पा रही हो, कमाई कैसे आ रही है। घर पर जाती हो, क्या मुश्किल है जब घर पहुंचती हो काम करने के बाद खेती में। किसानों से पूछते थे, समझते थे, मजदूरों की समस्याएं समझते थे और उसी आधार पर अपनी नीतियां बनाते थे। तो अगर कोई नीति बनती थी देश में, तो इस आधार पर बनती, जैसे अगर मजदूरों के लिए कोई नीति बनती, तो मजदूरों से बातचीत करके बनती।

किसानों के लिए कोई नीति बनती, तो किसानों की समस्याओं को समझकर, उनकी मुश्किलों को देखकर बनती। इसलिए जो हमारी परंपरा है कांग्रेस पार्टी में। जिस परंपरा की नींव महात्मा गांधी जी ने डाली और जिस परंपरा के तहत हमारे सारे प्रधानमंत्रियों ने काम किया, वो परंपरा ये थी कि नीतियां आपके लिए बनी। जो आपकी सुविधा के लिए बनती है, जो आपको आगे बढ़ाने के लिए बनती है, वही नीति सही है।

लेकिन बहनो और भाईयो, आज के जो प्रधानमंत्री हैं, जरा उनकी कार्यशैली को आप देखें। गुजरात ने उनको सबकुछ दिया। उनको सम्मान दिया, स्वाभिमान दिया, उनको आगे बढ़ाया, उनको सत्ता दी। आज प्रधानमंत्री बने, दस सालों से प्रधानमंत्री हैं। जब-जब आप उनको देखते हैं, तो आप मुझे खुद बताइए, आप टीवी पर उनको देखते हैं कि नहीं, देखते हैं टीवी पर (जनसभा ने कहा - हाँ देखते हैं)। देखते हैं ना, दिखते हैं। कहाँ दिखते हैं आपको, बड़े मंचों पर दिखते हैं, बड़े-बड़े प्रधानमंत्रियों के साथ दिखते हैं। दूसरे देशों के राष्ट्रपतियों के साथ दिखते हैं, दिखते हैं ना। बड़े-बड़े खबपतियों के साथ दिखते हैं, सेठों के साथ दिखते हैं, कभी आपने उनको किसी किसान के घर जाते हुए देखा है (जनसभा ने कहा - नहीं देखा)। कभी आपने उनको किसी गरीब के घर में जाते हुए देखा है (जनसभा ने कहा - नहीं देखा)।

मैंने यूपी में काम किया पिछले पांच सालों से। वहाँ पर उनका संसदीय क्षेत्र है, उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी प्रधानमंत्री जी किसी एक गरीब के घर नहीं गए हैं। कभी नहीं पूछा है इन दस सालों में कि भाई, तुम कैसे हो। किसानों के लिए नीति बनाते हैं, किसान आंदोलन करता है। लाखों किसान चार किलोमीटर दूर उनके घर से बैठते हैं, आंदोलन करते हैं महीनों के लिए। उनकी बिजली काटी जाती है, पानी काटा जाता है, 600 किसान शहीद होते हैं, लेकिन वो चार किलोमीटर दूर चलकर हमारे प्रधानमंत्री

उनसे मिलने के लिए नहीं आते हैं। जब उनको पता चलता है कि चुनाव आ रहा है और ये किसान आंदोलन कर रहे हैं, हमें वोट नहीं मिलेगा, तब चुनाव के दो महीने पहले वो कानून बदल देते हैं। ये है उनकी कार्यशैली।

वो मेरे भाई को शहजादा बोलते हैं। मैं उनको बताना चाहती हूं, ये शहजादे 4,000 किलोमीटर पैदल चले हैं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक आपकी समस्याओं को सुनने के लिए चले हैं। मेरी बहनो से मिले हैं, मेरे भाईयो से मिले हैं, किसानों से मिले हैं, मजदूरों से मिले हैं और सबसे प्यार से मिलकर पूछा है कि तुम्हारे दिल में क्या मुश्किलें हैं, तुम्हारे जीवन में क्या समस्याएं हैं, उनको हम हल कैसे कर सकते हैं और एक तरफ आपके शहंशाह, नरेंद्र मोदी जी महलों में रहते हैं।

आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है, एकदम साफ सुथरा, सफेद कुर्ता, एक दाग नहीं है धूल का। एक बाल इधर से उधर नहीं हो रहा है। वो कैसे समझ पाएंगे आपकी मजदूरी, आपकी खेती, कैसे समझ पाएंगे। कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दल-दल में धंसे हुए हो। महंगाई से आप दब चुके हो, हर तरफ महंगाई। मेरी बहने मिट्टी का तेल आज कितने का है, सब्जी खरीदने जाती हो, मिलती है क्या, भाव क्या है उसका। पेट्रोल-डीजल का दाम क्या है मेरे किसान भाइयों? किस तरह से गुजारा कर रहे हो, खेती के हर सामान पर जीएसटी है।

हर सामान महंगा हो चुका है। मेरी बहने, अगर कोई त्यौहार होता है, कुछ खरीदना पड़ता है, नए कपड़े, बच्चों के लिए कोई वर्दी खरीदनी पड़ती है, फीस भरनी पड़ती है, कोई बीमार पड़ जाता है, इलाज करना पड़ता है, तो क्या हालत होती है आपकी। ये मोदी जी नहीं जान सकते, क्योंकि मोदी जी अब अपने महल में बंद हैं, सत्ता से घीरे हुए हैं। उनके आस-पास जितने भी लोग हैं, डरते हैं, उनसे कोई कुछ कहता नहीं है और अगर कोई आवाज उठा भी ले तो उस आवाज को दबाने की कोशिश होती है।

आज उनको ये नहीं पता है कि आप कितनी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आप देखिए, यहाँ राजपूत समाज की महिलाओं का कितना अपमान किया गया। मोदी जी ने क्या किया? क्या हटाया उस प्रत्याशी को? आपकी मांग क्या थी? आपकी मांग ये थी कि हटे, आपको अपमानित किया, मोदी जी ने सुनी आपकी बात, आपकी सुनवाई हुई। मैं आपसे वादा करती हूं बहनो कि अगर हमें मौका मिला, हम देश भर में आपकी बात फैलाएंगे, बताएंगे और इस तरह का अपमान हम आपके साथ नहीं होने देंगे।

आज मेरी बहनो, जहां-जहां महिलाओं का अपमान किया गया है, वहां मोदी जी की सरकार ने, जिन्होंने अपमान किया, जो अत्याचार कर रहे हैं उनका साथ दिया है, उनके पक्ष में खड़ी हुई है इनकी सरकार, आपके पक्ष में नहीं। हाथरस में महिला के साथ अत्याचार हुआ, उसको जलाकर मार डाला, भाजपा की सरकार ने उनको बचाया जिसने अत्याचार किया था। उन्नाव में हुआ था, मैं उस महिला के घर गई। कोई ऐसा अत्याचार नहीं था, जो उसके परिवार पर नहीं बरसाया गया, क्योंकि उस महिला ने आवाज उठाई, उसके साथ अत्याचार करने वाला एक भाजपा के प्रधान का रिश्तेदार था।

उस महिला ने... नौजवान थी, आवाज उठाई, कचहरी में गई केस डालने, जहां वो अपमान हुआ था वहां केस नहीं डाला गया, तो अगले जिले में चली गई, वहां से डाला, रोज सुबह अकेली जाती थी छह बजे ट्रेन लेकर अगले जिले में, वहां पर कचहरी में जाती थी अपने केस की सुनवाई के लिए। एक दिन जब वापस आ रही थी, तो उसको जलाकर मार डाला। एक किलोमीटर जलते हुए चली, कोई आया नहीं मदद करने के लिए। पुलिस नहीं आई, कोई नहीं आया। जब मैं उसके घर गई तो उसके पिताजी ने मुझे बताया कि क्योंकि उसने आवाज उठाई थी, उसके भाईयों को पीटा गया था, उसके पिताजी को पीटा गया था, पिताजी के खेत जला डाले थे, लेकिन सरकार से कोई मदद नहीं मिली, मोदी जी ने कोई मदद नहीं की।

हमारी बड़ी-बड़ी ओलंपिक की मेडलिस्ट महिलाएं, जो लड़ीं देश के लिए, मेडल लाईं। जब मेडल लाईं तो मोदी जी ने उनके साथ फोटो खिंचवाई और सारे अखबारों में लिखा था कि देखिए, मोदी जी हैं तो मुमकिन है। मोदी जी की वजह से ये मेडल लेकर घर आईं हैं। जब वही महिला सड़क पर उतरी, क्योंकि उसके साथ अत्याचार हुआ था, मोदी जी ने उनकी मदद नहीं की। उस महिला की आंखों में आंसू थे, जब उसने मुझे बताया - कि दीदी मैंने सोचा था कि मैंने इतना बड़ा काम किया है, देश के लिए मेडल लाई हूं, अगर मैं यहां पर बैठकर मांग करूंगी तो जरूर मुझे न्याय मिलेगा, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। आपको मालूम है क्या तोहफा मिला उसको, जिसने उस पर अत्याचार किया, आज उसका बेटा भाजपा के टिकट पर खड़ा है।

जिस तरह से जिसने यहां पर आपकी महिलाओं का अपमान किया, उसके बेटे को टिकट दिया, उसी तरह से उत्तर प्रदेश में इसके बेटे को भी टिकट दिया। ये है नरेंद्र मोदी जी की सरकार की असलियत और जैसे मैंने कहा- घिरे हुए हैं सत्ता से, अब आपको नहीं

पहचानते, आपको नहीं जानते। बताइए अगर गुजरात की जनता से कटे नहीं होते तो यहां से चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं, गुजरात से क्यों चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इतनी दूर जाकर वाराणसी में क्यों लड़ रहे हैं? क्योंकि कट चुके हैं आपसे, आपसे जो फायदा निकलना था बहनो और भाईयो, निकाल लिया। आपने सत्ता दी, मुख्यमंत्री बनाया, कई बार बनाया, यहां उनको सत्ता मिली, नाम मिला, आपके समर्थन से उनको सम्मान मिला, यहां से चले गए प्रधानमंत्री बनने, आपको भूल चुके हैं और आपसे कट चुके हैं।

ये किसानों की धरती है, यहां पर अनार, आलू, जीरा पैदा करते हैं आप, आपसे पूछना चाहती हूं- मोदी जी की 10 साल से सरकार है, आपको न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है इसके लिए-(जनसभा ने कहा- नहीं) नहीं मिलता। जो आपका कॉर्पोरेटिव सेक्टर है- अमूल, बनास डेयरी ये किसने खड़ा किया? आपको याद है, कांग्रेस के जमाने में खड़ा हुआ ये सेक्टर और आज प्रयास क्या है- भाजपा के नेता इस पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ये आपकी संपत्ति है, ये आपके लिए बनाया गया सेक्टर, ताकि आप फूले-फलें, आप आगे बढ़ें, ताकि यहां के किसान आगे बढ़ें। भावनगर में गौचरों की जमीन पर भी इनके नेताओं ने कब्जा किया है। ये आपकी जमीन है, कोई रोक नहीं रहा है इनके नेताओं को, जहां कुछ मिल रहा है, वहां हाथ मार रहे हैं, समझ लीजिए क्या हो रहा है आपके साथ। कांग्रेस पार्टी ने एक न्याय पत्र निकाला है, इस न्याय पत्र का आधार जो है वो मेरे भाई ने, जो ये 4,000 किलोमीटर चले थे, जब आपसे बातें की उन्होंने, आपकी समस्याएं समझीं, वही आधार बना इस न्याय पत्र के लिए, मतलब वो समझे कि आपके साथ अन्याय हुआ है। किसानों के साथ, मजदूरों के साथ, तो उन्होंने एक ऐसा घोषणा पत्र निकलवाया हमारी पार्टी से, जिसमें आपके लिए सारी सुविधाएं हैं और इस चुनाव से पहले जहां-जहां प्रदेशों में चुनाव हुआ है, हमने जो घोषणा पत्रों में लिखा है, वो करके दिखाया है।

आज अगर आप कर्नाटका की महिलाओं से पूछेंगे कि सरकार ने आपके लिए क्या किया? तो वो बताएंगी कि हमें हर महीने 2,000 रुपए मिलते हैं और हम बस की यात्रा मुफ्त में करते हैं। अगर आप छत्तीसगढ़ के किसानों से पूछेंगे कि कांग्रेस की सरकार ने क्या किया आपके लिए? तो वो बताएंगे कि हमारे कर्ज माफ कराए और अच्छे-अच्छे

गौठान बनाए, जिसमें से हमें नौकरी मिली और हमारे जानवरों का जो गोबर है, वो गोबर सरकार ने खरीदा, ताकि हमारी आमदनी बने।

इसी तरह से आपके लिए हम कुछ गारंटी लाए हैं और उसमें किसान भाईयों के लिए, आपकी जो एमएसपी है, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य है वो एक कानून बनेगा। मतलब आपका अधिकार बन जाएगा। कानून के तहत आपको मिलना ही होगा, ऐसा हो ही नहीं पाएगा कि जो आप यहां पर आलू उगाते हैं या जीरा उगाते हैं उसका न्यूनतम समर्थन मूल्य आपको मिले न। आपके कर्ज माफ के लिए एक स्थाई आयोग बनेगा, जिसके तहत जब भी आप कर्ज में अगर आप डूब रहे हैं और आपको मदद की जरूरत है आप उस आयोग में जा पाएंगे और आपके कर्ज की माफी की बात होगी और उसकी समस्या हल होगी।

खेती के सारे सामानों पर आज जीएसटी दे रहे हो, हमारी गारंटी है कि खेती के सारे सामानों से हम जीएसटी हटा देंगे। आपकी फसल का नुकसान होता है, भुगतान मिलता है? नहीं मिलता है, मोदी जी नहीं देते भुगतान। हम कह रहे हैं कि जब फसल का नुकसान होगा तो 30 दिन के अंदर-अंदर आपको भुगतान मिलेगा। भूमिहीनों को जमीन मिलेगी और हर जगह पूरे देश भर में न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए की होगी, मतलब 400 रुपए से कम मजदूरी के पैसे आपको कोई नहीं दे पाएगा, अगर देगा, तो वो कानून का उल्लंघन करेगा।

मेरी बहनें मैंने महंगाई की बात की, मैं जानती हूं और समझती हूं कि आप पर कितना बोझ है। जो समाज है उसका बोझ भी आप उठाती हो, समाज की परवरिश भी आप करती हो। जब अपने बच्चों को बड़ा करती हो मेहनत से, उनकी हर चीज देखती हो, बच्चा बीमार पड़ता है उसका इलाज, बुखार होता है उसकी देखभाल, खाना खाया या नहीं खाया, पढ़ाई की या नहीं की, स्कूल जा रहा है ठीक से या नहीं जा रहा है, ये सारे काम आप करते हो, अपनी नौकरी या अपने रोजगार या अपनी खेती के अलावा। तो आप बाहर जाती हो, काम करती हो, घर आती हो और काम करती हो।

इसीलिए आपके लिए हमने सोचा है कि जो परिवार की सबसे बड़ी महिला है, उसको हमारी सरकार 8,500 रुपए हर महीने दिलवाएगी। ये पैसे सीधे आपके खाते में जाएंगे, मतलब कि एक साल में आपको एक लाख रुपए मिलेंगे और 50 प्रतिशत, जितनी भी सरकारी नौकरियां हैं, उसमें से 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी, पहले के

आरक्षण हैं उसी के तहत, तो ये हमने आपके लिए सोचा है और आंगनवाड़ी, आशा बहुएं और जो मिड-डे मील्स में महिलाएं काम करती हैं, केंद्र का जो योगदान है आपके मानदेय के लिए, वो बढ़ाया जाएगा, दोगुना किया जाएगा, ताकि आपका मानदेय बढ़ जाए। तो सबके लिए हमने कुछ सोचा है, क्योंकि देखिए, आज के जमाने में, आप जब मेहनत करके अपने बच्चों की परवरिश करते हैं, तो आपके सामने अन्य मुश्किलें आती हैं। आप बड़ा करते हैं बच्चों को, आपके यहां अगर गांव में पाठशाला है या कोई सुविधा है ठीक है, लेकिन उसके बाद जब उनको यूनिवर्सिटी जाना होता है, विश्वविद्यालय में जाना होता है तो नई मुश्किल खड़ी होती है। क्योंकि फीस भरनी पड़ती है, किस तरह से वो पढ़ाई खत्म करेंगे।

यहां गुजरात में ज्यादातर प्राईवेट विश्वविद्यालय खोले जा रहे हैं,बड़ी-बड़ी फीस है। जितने भी मां-बाप हैं, चाहे जितने भी गरीब हों, चाहे किसान हों, मजदूर हों, चाहे कुछ भी हों, आज के दिन सब चाहते हैं कि हमारे बच्चा शिक्षित हो, ताकि उसको अच्छा रोजगार मिले, सही बात है कि नहीं-(जनसभा ने कहा- सही बात है) और आप किसी भी हालत में, कैसे भी कर्ज लेकर, मजदूरी करके, कॉन्ट्रेक्ट पर नौकरी करके आप कमाते हैं इसीलिए कि आपके बच्चों की परवरिश हो और वो बड़े होकर शिक्षित हों और उनको नौकरी मिले, ये सही बात है कि नहीं।

अब आपने शिक्षित कर दिया, किसी न किसी तरह से आपने कर्ज लेकर बच्चे को शिक्षित कर दिया, बच्चा परीक्षा देने जाता है भर्ती के लिए और आज क्या हो रहा है पूरे देश भर में? पेपर लीक हो जाते हैं। पेपर लीक हो जाते हैं, जो फीस आपने ट्यूशन के लिए भरी है, जितनी मेहनत बच्चे ने की है सारी ऐसे ही गंवाई जाती है। उसको पता नहीं होता है कि फिर से पेपर देना है, शायद उसमें भी लीक हो जाए, कितने साल इंतजार करना पड़ेगा या कुछ महीनों बाद फिर से इम्तिहान देना पड़ेगा। मानसिक तनाव होता है, कुछ पता नहीं होता है कि भविष्य में नौकरी मिलेगी या नहीं मिलेगी।

मैं ऐसे बच्चों से मिली हूं, जिन्होंने भर्ती की परीक्षा दी और सालों के लिए इंतजार करते रहे। एक बार दी, दो बार दी, तीन बार दी, एक सूची भी निकल आई, उसमें भी नाम था, रोजगार नहीं मिला, क्योंकि लीक पर लीक होता गया, घोटाले पर घोटाले होते गए। जीपीपीएससी का इधर पेपर लीक हुआ, टेट का टीचर का पेपर लीक हुआ, 10 सालों में जबसे इनकी सरकार है, 14 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं, तो अब क्या करे नौजवान?

भर्ती का इम्तिहान है, पेपर लीक हो रहा है, रोजगार दे नहीं रही है सरकार। मोदी जी की सरकार में 30 लाख रोजगार के पद खाली पड़े हुए हैं केंद्र सरकार में।

आप नौजवान यहां खड़े हों, यहीं पर हजारों खड़े होंगे, जिनके पास रोजगार नहीं है, वहां 30 लाख पद खाली हैं, वो पद भरे नहीं गए हैं, तो पद खाली हैं, नौजवान खाली हैं, लेकिन आप पद नहीं भर रहे हैं, आपका ध्यान कहीं और है, सरकार का ध्यान रोजगार बनाने में नहीं है, तो ये परिस्थिति है कि जब आपको रोजगार नहीं मिलता, तो फिर आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रेक्ट पर ही रोजगार मिलता है और आप सब वही करते हैं, क्योंकि और कोई चारा नहीं है, कोई स्थाई रोजगार नहीं मिल रहा है।

अब मैं आपको समझाना चाहती हूं कि ये स्थाई रोजगार क्यों नहीं मिल रहा है। एक तो हुई खेती की बात, एक जमाने में खेती मे भी रोजगार मिलते थे, लेकिन जब से इतनी महंगाई आई है, किसान खुद कमा नहीं पा रहा है। तो जब किसान खुद कमा नहीं पा रहा है तो वो कैसे रोजगार दिलवाएगा अपनी खेती में, तो फिर वो भी कम मजदूर रखता है, वो भी कहता है कि जितना काम मैं खुद निपटा सकता हूं निपटा लूंगा। तो खेती से रोजगार कम हो रहा है।

बड़े-बड़े जितने भी सरकारी कॉर्पोरेशन थे, जितनी भी सरकारी कंपनियां थीं, जिससे आपको स्थाई रोजगार मिलते थे, तकरीबन सभी की जो सब्सिडियरी हैं, उनको इन्होंने अपने खरबपति मित्रों को दे दिया है। आज देश का कोयला देश की सड़कें, देश का पावर, देश के हवाई अड्डे, देश के बंदरगाह, सब इनके बड़े-बड़े खरबपति मित्रों को दे दिए गए हैं। आपकी संपत्ति थी आपको रोजगार मिलता था, आपको सुविधाएं मिलती थीं, अब वो सारी संपत्ति बड़े-बड़े खरबपतियों की हो गई है।

अगर आपकी समस्याओं को ये सरकार समझती, तो वो जानती कि यहां से रोजगार मिलता है, नए-नए रोजगार बनते हैं, ये संपत्ति अभी खरबपतियों को देने से ये रोजगार बंद हो सकते हैं, आरक्षण बंद हो सकते हैं, क्योंकि प्राईवेट हो गई वो नौकरी, वो रोजगार, लेकिन आपके बारे में नहीं सोच रहे हैं। इनकी नीतियां बड़े-बड़े खरबपतियों के लिए ही बन रही हैं।

अगर आप ठीक ढंग से समझेंगे और देखेंगे तो हर स्तर पर ये हो रहा है। मैं रोजगार की बात कर रही थी, एक और जगह थी जहां से रोजगार बनते थे, जो छोटी-छोटी

इंडस्ट्रीज, मध्यम साईज की इंडस्ट्रीज है, जो कोई मैन्यूफैक्चरिंग करा रहा है, किसी ने अपना बिजनेस खोला है, किसी की दुकान है, उससे भी रोजगार मिलता था, लेकिन उसको इतने संकट में डाल दिया है नरेंद्र मोदी जी की नीतियों ने। नोटबंदी लाए पहले, उससे जितने भी छोटे-छोटे और मध्यम वर्ग के बिजनेस थे, उनकी कमर टूटी, उसके बाद जीएसटी लाए और मुश्किलों में डाला, तो वहां से भी रोजगार बंद हो गए।

तो स्थिति ये है आज देश में कि 10 सालों में रोजगार बनाने का काम नहीं किया गया है, इसीलिए आज आप इस परिस्थिति में हैं कि आज देश में 45 सालों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। आज 70 करोड़ नौजवान हमारे देश में बेरोजगार हैं और जहां-जहां अच्छी-अच्छी स्कीमें थीं या अच्छे-अच्छे रोजगार थे, जैसे आपने देखा है सेना में था, उसको भी इन्होंने चार सालों के लिए करके, अग्निवीर जैसी स्कीम लाकर उसको भी खत्म कर दिया, अब कोई जाना नहीं चाहता है, सेना में भर्ती नहीं होना चाहता, क्योंकि कहता हैं कि चार साल बाद घर आ जाऊंगा, फिर बेरोजगार हो जाऊंगा। तो ये परिस्थिति है।

सारी नीतियां बड़े खरबपतियों के लिए बन रही हैं, जो 30 लाख रोजगार खाली हैं, जो पद खाली हैं। हम कह रहे हैं - हम उन सबको भरेंगे जब हमारी सरकार आई है, यह कांग्रेस पार्टी की गारंटी है। मैं नौजवानों को यहां खड़े हुए देख रही हूं, अगर और जब आप स्नातक पास होंगे, तो आपके लिए एक एप्रेंटिसशिप का प्रोग्राम लाएंगे हम। एप्रेंटिसशिप मतलब, आपने देखा और सुना होगा कि जो अमीर लोग हैं, इनके बच्चे जब पढ़ाई खत्म करते हैं, तो स्थाई रोजगार मिलने से पहले उनको एक एप्रेंटिसशिप में डाला जाता है, जिसको इंटर्नशिप कह लीजिए, लेकिन उसमें वो कमाते हैं।

तो हम आपके लिए ऐसी एप्रेंटिसशिप लाएंगे, जो आज तक गरीब बच्चों के लिए उपलब्ध नहीं थी, जिसमें आप जब स्नातक पास होंगे, आपको भी एक एप्रेंटिसशिप के प्रोग्राम में डाला जाएगा और एक लाख रुपए सालाना आप उससे कमा पाएंगे। आपके लिए 5,000 करोड़ रुपए का एक फंड बनेगा, जिससे अगर आप छोटे कारोबार अपने शुरू करना चाहेंगे, आपको लोन मिलेगा और आप वह लोन लेकर, वह पैसे लेकर, आप वह कारोबार शुरू कर सकेंगे। यह सिर्फ आपके लिए होगा, इसलिए ब्याज बहुत कम होगा इसका, क्योंकि हमारा प्रयास रहेगा कि हम छोटे और मध्यम बिजनेस को खूब समर्थन

दें, ताकि खूब रोजगार बनें और आप अपने कारोबार को, अपने बिजनेस को आगे बढ़ा पाएं।

जहां तक महिलाओं की बात की, मैं आपको यह भी बताना चाहती हूं, बहनो कि 2 लाख रुपए तक जितना भी इलाज है पूरे परिवार का, चाहे कोई भी सुविधा हो स्वास्थ्य की वह आपको मुफ्त में मिलेगी। यह स्कीम हमने राजस्थान में लागू की और वहां स्कीम की बहुत चर्चा हुई, क्योंकि लोग बहुत खुश थे। लोगों ने हार्ट ऑपरेशन कराए इस स्कीम के तहत, बगैर एक रुपया दिए। तो बहुत अच्छी स्कीम है, हम देश भर में इसे लागू करना चाहते हैं।

हम देखिए, बहनो आपके लिए ऐसा काम करना चाहते हैं, ताकि पूरे देश का विकास हो। आपका विकास हो बहनो, किसानों का हो, सबका एक साथ विकास हो, क्योंकि हमारे संविधान में लिखा है कि सबको समान दृष्टि से देखना है और यह जो समानता है, यह हमारे संविधान की देन है। आज प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि जो इस देश में समानता चाहता है, वह संविधान के विरोध है।

तो आप सोचिए कि इन्होंने हर चीज को घुमाकर उल्टा कर दिया है। संविधान आपके लिए बना, आप सबको समान अधिकार देने के लिए बना। आज देश के प्रधानमंत्री खुद आपके सामने खड़े होकर कहते हैं कि जो समानता के लिए लड़ रहा है, वह संविधान का विरोध कर रहा है। तो आप सोचिए कैसी-कैसी गलत बातें आपको बताई जाती हैं और काम इनके कैसे हैं? आपको जल, जंगल और जमीन पर अधिकार दिए गए थे, संविधान ने दिए, कांग्रेस की सरकारों ने दिए।

उन सब अधिकारों को कमजोर करने का काम इन्होंने किया है। पहले एससी, एसटी, ओबीसी और रिटायर्ड फौजियों को जमीन के पट्टे मिलते थे। आज मैं आपसे पूछना चाहती हूं भाजपा की सरकार रही है 10 सालों से आपको क्या पट्टे मिलते हैं-(जनसभा ने कहा-नहीं) जैसे मैंने आपको कहा- तमाम सरकारी कंपनियों को प्राइवेट बनाने का काम किया है, इससे आरक्षण खत्म होते हैं, फिर से आपके अधिकार कमजोर होते हैं। सरकारी विश्वविद्यालयों में आपको अच्छी शिक्षा मिलती थी कम फीस में। जब प्राइवेट इतने सारे बनाते हैं और सरकारी विश्वविद्यालयों को कमजोर करते हैं, तो भी यह काम करते हैं कि आरक्षण भी कम होंगे और फीस भी ज्यादा होगी।

तो आप देखिए, ऊपर के जितने भी पद हैं जो बड़े-बड़े पद हैं, उसमें लेटरल एंट्री से ये पद दे रहे हैं, बाकी सब खाली रख रहे हैं और जो नीचे के पद हैं, जो भर्ती के पद हैं उसको खाली रख रहे हैं। तो यह सारे काम जो कर रहे हैं ना, यह इनकी एक नीति है और यह नीति जो है यह सबसे बड़ी इनकी नीति जो है कि सब-कुछ बड़े-बड़े खरबपतियों की सफलता और उनके आगे बढ़ने के लिए हो और जो देश का गरीब है, उसको 5 किलो का राशन पकड़ाओ और उसको बड़ी-बड़ी बातें बताओ मंच पर खड़े होकर, बड़े-बड़े इवेंट दिखाओ और उसी में निपट लो बस।

उसके आगे कोई रोजगार देने की बात नहीं, विकास करने की बात नहीं, नए पाठशाला बनाने की बात नहीं, नए विश्वविद्यालय बनाने की बात नहीं, अस्पताल बनाने की बात नहीं। कहते हैं - कि कांग्रेस ने 70 सालों में क्या किया? मैं इनसे पूछना चाहती हूं 10 सालों में आपने क्या किया? हमने आईआईएम बनाए, आईआईटी बनाए, एम्स बनाए, एचएल बनाया, बीएचएल बनाया, आप नाम लीजिए कांग्रेस ने बनवाया। भाखड़ा नांगल डैम बनवाया, आपका अमूल बनाया, इन्होंने क्या बनाया? फूट फैलाई लोगों के बीच में, नफरत का बीज बो दिया, क्योंकि उस नफरत के नफरत के बीज से उन्हीं की सत्ता बढ़ेगी। आपसे जब-जब आते हैं चुनाव के समय आपसे बात करने के लिए, तो क्या बातें करते हैं? आए थे अभी दो-तीन दिन पहले, मैंने सुना उनका भाषण। चुनाव है हिंदुस्तान में, बात हो रही है पाकिस्तान की।

आपको बताया जा रहा है कि सावधान रहो, कांग्रेस एक एक्सरे की मशीन लाएगी और एक्सरे की मशीन से आपके घरों में घुस के, आपके मंगलसूत्र छीनेगी, आपका सोना चुराएगी, यह कहा जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री हैं, इतनी स्तर विहीन बातें। आपने देश का प्रधानमंत्री चुना, ताकि देश का सम्मान रखें, पूरा देश देखे कि यह हमारे प्रधानमंत्री हैं, यह अच्छी सुलझी हुई बातें करते हैं, सभ्य बातें करते हैं, क्योंकि यही हमारी देश की सभ्यता रही है।

हम अपने बड़ों को देखते हैं और हम कहते हैं कि देखिए कितने सभ्य हैं, आदर देते हैं, लेकिन अब हमारे प्रधानमंत्री आपके सामने झूठ तो बहुत बोलते हैं, लेकिन अब तो फिजूल की बातें करने लग गए हैं। पहले झूठ तक सीमित था, अब अजीब-अजीब सी बातें... आपकी दो भैंसे हैं, तो कांग्रेस एक भैंस चुरा लेगी। 55 सालों से कांग्रेस की सरकार रही है इस देश में, जरा बताइए किसकी भैंस चुराई हमने -(जनसभा ने कहा-

नहीं) किसी के गहने चुराए-(जनसभा ने कहा-नहीं) किसी के मंगलसूत्र पर आंच आने दी-(जनसभा ने कहा-नहीं) और आज हम आपके घरों में एक्सरे की मशीन... सबसे पहले तो यह बताएं कि कैसी है भाई एक्सरे की मशीन, जो मंगलसूत्र निकाल के ढूंढती है, मैं भी देखना चाहती हूं कुछ ऐसा है भी इस दुनिया में और अब हम आकर आपके घरों के अंदर, चोरों की तरह आपके भैस चुराएंगे, आपका सोना चुराएंगे। क्यों-क्योंकि उनका वो पुराना जो रट है वह चल नहीं रहा है, क्योंकि आज इस देश की जनता जाग रही है, क्योंकि आज इस देश की जनता कह रही है कि मेरे मंच पर आओगे, तो मेरे काम की बात करो, आज इस देश की जनता कह रही है मुझे इस चुनाव को हिंदू-मुसलमान पर नहीं लड़ना है, मुझे इस चुनाव को बिजली, पानी, रोजगार, महंगाई पर लड़ना है।

आज इस देश की जनता कह रही है कि बहुत हो गया मोदी जी, बहुत हो गया, बहुत देख ली आपकी नौटंकी, बहुत सुन लिए आपके भाषण, लेकिन आपके भाषणों में एक लफ्ज हमारे लिए नहीं रहा। आज देश की जनता कह रही है कि मोदी जी हमें बताइए 10 साल से हमने आपको पूरी सत्ता दी, उस सत्ता का क्या किया आपने? क्या हमारे जीवन में आप तरक्की लाए कि नहीं लाए और जनता को दिखने लगा है कि 10 साल बीत गए, बहुत बड़ी-बड़ी बातें... क्या था वो, सबका साथ सबका विकास, ऐसी बात। किसका विकास हुआ? बैठे हो ना विकास हुआ है आपका? आपका विकास हुआ है बहने? तो बस हवा में बड़ी-बड़ी बातें हुई हैं और आपने शानदार इवेंट... यह तो मैं बोलती हूं बड़े शानदार इवेंट बनाए इन्होंने। हर दो-दो महीने एक शानदार इवेंट, सिर्फ मोदी जी दिख रहे हैं और कुछ दिख नहीं रहा है, वही सफेद कुर्ता, कोई धूल नहीं, कुछ नहीं, सब दूर हैं उनसे, अकेले चल रहे हैं... अब अकेले ही हो गए हैं।

अब ये जनता जो है ना उनका अकेलापन देख रही और उनके अकेलेपन का हर रोज प्रमाण देख रही है। यह जो बातें होती है ना कि आपकी भैंस चुरा लेगी कांग्रेस, यह उसी का प्रमाण है। कोई सच्चाई नहीं बता रहा है, अकेले बैठे हैं सलाहकार भी झूठ बोल रहे हैं, सलाहकार भी सही बात नहीं बता रहे हैं। अजीब सी परिस्थिति बन गई है बहनों और भाइयों आज हमारे देश में, इसको पहचानो। एक सच्चाई आपको टीवी पर दिखती है, वह सच्चाई जो आपको दिखा रहे हैं ना ये, समझ लो सारे टीवी के चैनल आज बड़े-बड़े खरबपतियों के हैं, तो आपको अपनी सच्चाई नहीं दिखाएंगे।

आपने कितने प्रोग्राम देखे हैं इस चुनाव के दौरान, जहां कोई पत्रकार दुकान में जा रहा है और कह रहा है कि भाई आज टमाटर का दाम, कि देखो कितनी महंगी है ये तेल या यह गैस-सिलेंडर कितना बढ़ चुका है, क्या लोग गुजारा कर पाएंगे, यह आप नहीं देखते किसी चैनल पर। किसी चैनल पर आप यह नहीं देखेंगे कि 70 करोड़ लोग इस देश में बेरोजगार हैं मोदी जी के राज में, इस पर कोई रिपोर्ट नहीं देखेंगे। आप देखेंगे कि मोदी जी कौन से कपड़े पहनते हैं, मोदी जी किस प्रधानमंत्री से मिल रहे हैं, किस तरीके के आम खाते हैं, यह देखेंगे आप। क्योंकि आज मीडिया भी झुक गई है, सारे चैनल भी झुक गए हैं, पत्रकार एक समय में सवाल उठाता था।

मुझे याद है मेरे पिताजी के समय में एक अखबार रोज 10 सवाल छापता था, प्रधानमंत्री से सवाल हैं यह। आपको याद होगा कैसे आक्रामक होती थी मीडिया, कोई घबराता नहीं था नेता, कहता था ठीक है सवाल पूछो, जवाब देंगे। आज तो नेता इतने घबरा गए हैं ये कि जब इनका चुनाव आ रहा है, जो इनके सामने जो प्रत्याशी खड़े हैं उनको घूस देकर उनको बिठा रहे हैं।

मैंने सुना है कि गृह मंत्री जी के संसदीय क्षेत्र में 16 प्रत्याशी ऐसे ही बैठ गए चुनाव से पहले। या तो डराए गए हैं, धमकाए गए हैं या किसी को घुस दे दिया है और बैठ रहे हैं कि चुनाव ही ना हो। अरे इतने मजबूत गृह मंत्री हो, इतने बड़े प्रधानमंत्री हो, देश की पूरी सत्ता तुम्हारे पास है, सीट पर सीट तुम्हारी है संसद में और एक चुनाव लड़ने से डर रहे हो। किस बात का डर है? खड़ा करिए 100 प्रत्याशियों को हराइए उनको, यही तो चुनाव होता है यही तो लोकतंत्र होता है।

मंच पर खड़े होकर लोगों को झूठ बोलना नहीं होता है, मंच पर खड़े होकर लोगों को गुमराह करना या लोगों के जज्बातों को उभारना, ताकि तुम्हें वोट मिल जाए तुम सत्ता में रहो, तुम्हारे बच्चे फूलें-फलें और जनता खाई में रहे, यह लोकतंत्र नहीं है।

तो मैं यहाँ किसलिए आई हूं, मैं यहाँ इसलिए आई हूं कि आपको मैं बताऊं कि आप इन नेताओं को जवाबदेही बनाओ। वो पुरानी परंपरा वापस लाओ, वो पुरानी परंपरा वापस लाओ, सरदार पटेल जी की, महात्मा गांधी जी की, जिसमें नेता जनता को पूजता है, जनता को भगवान मानता है। जनता को डराता, धमकाता नहीं है। जनता को खाई में नहीं छोड़ता। जनता के आंसू पोंछता है। उसकी नई-नई समस्याएं पैदा नहीं करता, ताकि और आंसू बहाएं। समझ लीजिए, जो संविधान ने आपको दिया है, जो वोट का

अधिकार है, वो एक बहुत बड़ा औजार है आपका। हलके में मत लीजिए इस औजार को।

आज भाजपा ने एक और काम किया है, बड़ा काम, अपनी पार्टी को सबसे धनवान पार्टी बनाया है पूरी दुनिया में। आज पूरी दुनिया में सबसे पैसे वाली पार्टी कौन सी है। एक रिपोर्ट आई है, मुझे मालूम नहीं कि कितनी सही है, लेकिन लगभग मुझे लगता है कि सही होगी। 60 हजार करोड़ रुपए इन्होंने खर्चे हैं। किसपे, आपके नालों को ठीक करने के लिए नहीं, आपकी टूंटियों में पानी लाने के लिए नहीं, आपकी सड़कों की मरम्मत करने में नहीं, आपके कारोबार में नहीं, आपकी खेती को ठीक करने में नहीं। ये जीएसटी हटाने में नहीं, अपनी पार्टी के लिए, अपनी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए।

बड़ी-बड़ी इमारतें बनाई हैं हर जिले में। इनको जो ऑफिस हैं, इतनी बड़ी-बड़ी इमारतें। सबको थोड़ा-थोड़ा वेतन दे रहे हैं, जो भी उनके लिए काम कर रहा है, उनके पार्टी के लिए। कोई मुफ्त में नहीं करता यहाँ। यहाँ हमारे बेचारे सेवा दल के जो कार्यकर्ता हैं और जो कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, इनसे पूछो, ये जनता की सेवा करते हैं, ये मुफ्त करते हैं या इनको वेतन देते हैं हम? बदनाम किया हमें और सबसे अमीर पार्टी बन गए वो।

कहते हैं कि आज तक उन पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगाया। कैसे लगाएंगे, ये जो मीडिया जो हर रोज आरोप लगाती थी हमारी सरकारों पर, ये तो झुक गई एकदम। लिख कर देखिए, आप हंस रहे हैं, जरा कल लिखकर देखिए, कोई बड़ा घोटाला निकालिए, देखते हैं क्या होता है। ईडी आएगी, सीबीआई आएगी, गिरफ्तार हो जाओगे, पड़े रहोगे जेल में। कोई मदद नहीं करेगा और 56 इंच का सीना है इनका, एक आलोचना नहीं सुन सकते। बड़प्पन तो उसमें होता है, जो दुनियाभर की आलोचना सुन सकता है, लेकिन काम करते रहता है।

राहुल गांधी को देखो, क्या नहीं बोला उसके बारे में, क्या-क्या नहीं कहा। सीना तान कर चला ना कन्याकुमारी से कश्मीर। कोई रोक पाया उसे? मणिपुर से मुंबई तक चला, कोई रोक पाया उसे? नहीं रोक पाया, क्योंकि सच्चाई लेकर चला अपने दिल में। क्योंकि इस देश के सत्य को ढूंढने निकला। झूठों से भरपूर भाषण और राजनीति नहीं की उसने। आज ये कहते हैं कि किसी ने आरोप नहीं लगाया, लो मैं लगा देती हूं आरोप।

देखिए, ये एक स्कीम लाए, मोदी जी खुद। स्कीम का नाम था इलेक्टोरल बॉन्ड। इलेक्टोरल बॉन्ड की स्कीम ये थी, देखो कैसी स्कीम कि जो भी किसी राजनीतिक दल को चंदा देगा, उसका नाम गुप्त रहेगा। किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि अडानी जी ने कितना दिया, अंबानी जी ने कितना दिया और किसी और ने क्या दिया। ये थी स्कीम। खूब चंदा लिया, अपनी पार्टी को तो दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बना दिया। 60 हजार करोड़ खर्च भी दिए अपनी पार्टी पर। अब किसी ने केस डाल दिया।

तो सुप्रीम कोर्ट में केस आया, न्यायाधीशों ने देखा कि ये तो बड़ी गलत स्कीम है। राजनीतिक दल जनता की सेवा का काम करता है। उसे जो चंदा देता है, उसका नाम तो पारदर्शी होना चाहिए। जनता को मालूम होना चाहिए कि भाई, इन्होंने इतना दिया, उन्होंने इतना दिया और किसको दिया। अब मोदी जी की सरकार ने सबसे पहले तो बोला कि भाई, हमें सूची ही नहीं मिल रही। बहुत मुश्किल है निकालना, अभी चुनाव के समय नहीं निकलेगी। फिर डांट लगी न्यायाधीशों से, निकली सूची और सूची में क्या नहीं निकला। किस-किससे चंदा लिया, गुजरात में जो पुल गिरा था, उसको बनाने वाले से चंदा लिया।

आपको वैक्सीन लगी थी, टीका लगा था कोविड का, हाथ उठाओ किस-किसको लगा, मुझे भी लगा। दो-दो बार सबने लिया (जनसभा में उपस्थित लगभग सभी लोगों ने हाथ उठाया)। सर्टिफिकेट मिली ऐसी, किसका चेहरा था उस पर, किसका था, शहंशाह जी का चेहरा था। उस टीके को सिर्फ एक कंपनी ने बनाया था, ये नहीं कि दस कंपनियों ने बनाया। उस कंपनी से चंदा लिया। आज क्या निकला है, रिपोर्ट निकली है कि कुछ प्रतिशत लोगों को इस टीके से ऐसा हो सकता है कि अचानक हार्ट अटैक हो गया, अचानक गिरकर मर जाएंगे। कितने नौजवानों के साथ ऐसा हुआ है पिछले एक - दो सालों में। हम सब जानते हैं, मैं खुद जानती हूं लोगों को, जिनके साथ ऐसा हुआ, किसी को पता नहीं चल रहा था कि कैसे ऐसे गिरकर मर गए। अच्छे खासे सेहतमंद थे। कोई जिम कर रहा था, कोई दौड़ लगा रहा है, कोई 40 साल का और आज आपको ये बात पता चल रही है और ऊपर से ये बात पता चल रही है कि भाजपा ने इनसे चंदा लिया और बताती हूं-

ऐसी कंपनियों से चंदा लिया है, जिस पर छापा मारा था इन्होंने। छापा मारा, चंदा लिया, छापे बंद। केस लगाया, चंदा लिया, केस बंद। हमें बताया जा रहा है कि गौ मास की

सप्लाई करने वाली कंपनी से भी चंदा लिया है ढाई सौ करोड़ का। यहाँ पर आपके मंच पर धर्म की बातें, धर्म के रखवाले वहाँ चंदा ले रहे हैं लोगों से। तो ये भ्रष्टाचार है कि नहीं है? इससे बड़ा भ्रष्टाचार आपने कभी देखा है कि सरकार ने भ्रष्टाचार की स्कीम ही बना दी। एक जमाने में भ्रष्टाचार होता भी था तो छुपके चोरी से होता था।

अब भ्रष्टाचार खुलेआम स्कीम के तहत हो रहा है, इलेक्टोरल बॉन्ड और आपको कहने की ये हिम्मत कि हम भ्रष्ट नहीं हैं। कहते हैं कि खुद ईमानदार हैं, बाकी सारे नेता भ्रष्ट हैं। किसी को जेल में डाल दिया है, किसी मुख्यमंत्री को, किसी और को जेल में डाल दिया है। किसी पार्टी का, जैसे कांग्रेस पार्टी के खाते बंद करा दिए चुनाव से पहले कि इनको चुनाव के लिए कोई सुविधा नहीं मिलनी चाहिए।

अपनी पार्टी को इस कदर वाशिंग मशीन बना दिया है, कपड़े धोने वाली जो मशीन होती है, कपड़ा डालो, गंदा कपड़ा अंदर डालो, निकालो तो साफ निकलता है। इसमें क्या होता है, इनकी पार्टी में नेता चले जाता है, पहले कहते हैं भ्रष्ट हैं। इसका 70 हजार करोड़ का स्कैम है और उसका ये घोटाला है, उसने इतना चोरी किया। फिर कहते हैं आपका स्वागत, हमारी पार्टी में आइए। जैसे ही वो नेता उनकी पार्टी में चले जाता है, तो कहते हैं कि बिल्कुल ठीक, इसने तो कुछ किया ही नहीं है। ये तो साफ हो गया है, ये तो बहुत ईमानदार आदमी है।

तो ये चल रही है राजनीति देश में आज। चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं हो रही है, लोगों को बैठाया जा रहा है। पैसे खिलाए जा रहे हैं प्रत्याशियों को। मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला जा रहा है। तो अब देखिए, आप पर निर्भर है आपका भविष्य। आपको लगता होगा कि ये जो बड़े-बड़े नेता मंच पर बैठते हैं, ये हमारा भविष्य तय करते हैं। कुछ हद तक ये बात सही है, लेकिन सिर्फ कुछ हद तक। सच्चाई ये है कि आप अपना भविष्य तय करते हो। आपका भविष्य आपके हाथों में है।

मेरी बहने, आप जब वोट डालने जाती हो ना, तो पांच सालों में आपके जीवन में क्या होने वाला है, आप ये तय करने जाती हो, कि आपके गांव में, आपके परिवार में तरक्की आएगी कि नहीं, इसलिए अपना वोट डालती हो। तो इसको हलके में बिल्कुल नहीं लेना है। सब पढ़ो, सुनो, जानकारी लो, नेताओं की बातें सुनो। कौन यहाँ आकर आपकी बात कर रहा है, कौन गंभीर बात कर रहा है और कौन हलकी बात कर रहा है। कौन भैंसों की बात कर रहा है कि चुराएगा और कौन कह रहा है कि 30 लाख रोजगार आपको

दिलवाएंगे। दस सालों में अगर कुछ किया होता तो ये चुनाव खुशी से उन दस सालों की कामयाबी पर लड़ सकते थे। लेकिन ये चुनाव इस पर नहीं लड़ रहे हैं। जैसे-जैसे चुनाव आगे चला आ रहा है, पहले धर्म की बातें, अब चोरी करने की बातें, पाकिस्तान की बात भी आ गई है। अब जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे और ये एक महीना निकलेगा चुनाव का, तो आप देखते रहना।

कोई गांव में बैठा हुआ चाय की दुकान में ऐसी बातें करता, तो आप हंस पड़ते। हंसते कि नहीं। अगर कोई कहता कि भाई, कोई नेता आकर तुम्हारे घर में एक्सरे से तुम्हारे गहने निकालेगा, तुम्हारी भैंस चुरा ले जाएगा, तो क्या कहते। हंसते, अब प्रधानमंत्री वही बात कर रहे हैं, तो हंसो ना। हंसो, बोलो ये ठीक है, ये हास्य- परिहास की बात है। प्रधानमंत्री जी हल्की बात कर रहे हैं।

हमें अपने काम की बात सुननी है और इन नेताओं को मजबूर करो, हमारी तरह मजबूर करो, सब नेताओं को। चाहे वो कांग्रेस के हों, भाजपा के हों, किसी भी पार्टी के हों। मजबूर करो कि चुनाव में आपके सामने आएं तो आपकी बात करें। इधर-उधर की बात जो करता है, उसको पहचान लो और अच्छी तरह से अपनी परिस्थितियों को पहचानो। कोई ऐसी सच्चाई नहीं है इस देश में जो टीवी पर ही दिखती है। बड़े-बड़े इवेंट, महल, बहुत तरक्की हो रही है, बड़े-बड़े लोग महलों में अपनी शादियां करा रहे हैं। उनके लिए एयरपोर्ट भी इंटरनेशनल एक दिन में हो रहा है। तुम्हारे लिए तो यहाँ एयरपोर्ट ही नहीं है।

समझ लो, सच्चाई क्या है। सच्चाई तुम्हारा जीवन है। ये जीवन जो तुम जी रहे हो, ये जो रोज सुबह उठकर रोजगार ढूंढने निकलते हो, कुछ नहीं मिलता। दुकान जाते हो, कुछ खरीदने के लिए, आधी चीजें छोड़कर वापस घर आ जाते हो। ये है तुम्हारे जीवन की असलियत। खेती कर रहे हो, मजदूरी कर रहे हो, मेहनत कर रहे हो, पसीना बहा रहे हो, लेकिन कुछ कमा नहीं पा रहे हो। जो कमा रहे हो, वो जा रहा है महंगाई की वजह से। ये है आपकी सच्चाई। इस सच्चाई के आधार पर अपना वोट दो।

इस सच्चाई के आधार पर जिस सच्चाई को आप अपने अनुभव से जानते हो। जिस सच्चाई को आप, अपनी बहने, आपके बच्चे जो जी रहे हैं, जब बच्चे को खाना नहीं दे पा रहे हो, वो भूखा सो रहा है, वो सच्चाई है। जो बहन बीमार है, इलाज के लिए दवाई नहीं खरीद पा रही है, रो रही है, दर्द हो रहा है, रो रही है, ये सच्चाई है। जब बच्चा

होने वाला है, अस्पताल इतनी दूर है कि पहुंच नहीं पा रही है। ये सच्चाई है। ये जो 1100 रुपए, 1200 का सिलेंडर आप खरीद रहे हो, ये सच्चाई है। समझ लो, कि अगर आप अपनी सच्चाई आज नहीं पहचानोगे और इस सच्चाई के आधार पर अपना वोट नहीं डालोगे, तो ये देश इसी तरह से आगे बढ़ेगा, जिस तरह से पिछले दस सालों में आपने देखा है। क्या है, कि कहीं नहीं जा रहा है, सिर्फ बड़े लोग और बड़े होते चले जा रहे हैं। सिर्फ अमीर लोग और अमीर होते चले जा रहे हैं।

सारी सुविधाएं इनको, आपके लिए कुछ नहीं। टैक्स भी आप ज्यादा भर रहे हैं इनसे। आपका टैक्स बढ़ाया जाता है, जीएसटी लगाया जाता है। उनका टैक्स बढ़ाया नहीं जाता है। 16 लाख करोड़ रुपए उनके कर्ज माफ होते हैं, किसके बैंक से, मोदी जी का बैंक है घर में, मोदी जी का बैंक है? आपका बैंक है, सरकारी बैंकों से 16 लाख करोड़ 22 उद्‌योगपतियों के माफ किए और यहाँ किसान रो रहा है, आत्महत्या कर रहा है दस हजार रुपए के लिए और आपने उसका एक रुपया माफ नहीं किया।

मैं किसान के घर गई उत्तर प्रदेश में, ललितपुर में। वो खाद की लाइन में खड़े-खड़े गिरकर मर गया। खाया नहीं था कई दिनों से। सोचा कि चलो खाद मिल जाएगी, कुछ हो जाएगा काम। दो दिनों के लिए लाइन में खड़ा रहा, कुछ खाया नहीं, कुछ पीया नहीं, वहाँ पर गिरकर मर गया। एक और किसान के घर गई मैं, एक लाख रुपए के लिए आत्महत्या की उसने।

उसकी बेटी घर आई, उसको मिले अपने पिता जी, एक लाख रुपए के लिए आत्महत्या और 16 लाख करोड़ रुपए आप बड़े-बड़े खरबपतियों के माफ कर रहे हैं, किसानों के कर्ज माफ नहीं करेंगे। किसका पैसा है ये, कैसे बनी इतनी धनी आपकी पार्टी, कहाँ से आया ये सारा पैसा, किसकी संपत्ति है? जोर से बोलो (जनसभा ने कहा - हमारी संपत्ति है) और जोर से बोलो (जनसभा ने पुन: कहा - हमारी संपत्ति है)। आपकी संपत्ति है, यही संपत्ति है, जिससे आपकी सड़कों को बनाना चाहिए था। जिससे आपके लिए पाठशालाएं बनानी थी, अस्पताल बनाने थे, आपको हर सुविधा दिलवानी थी, आपके कर्ज माफ करने थे।

जब यूपी के किसानों को गन्ना का बकाया था 15 हजार करोड़ रुपए, मैं उस समय भी यूपी में काम कर रही थी। 15 हजार करोड़ रुपए था उस समय बकाया पूरे देशभर का था और यूपी के किसान उसमें शामिल थे। मोदी जी ने क्या किया, वो बकाया दिया?

मोदी जी ने उसी समय, कोविड के समय ये ऐलान किया कि 20 हजार करोड़ रुपए का नया संसद भवन बनेगा। 20 हजार करोड़ रुपए का नया संसद भवन बनाएंगे और 15 हजार करोड़ रुपए का किसान का बकाया नहीं देंगे। ये उनकी नियत है, अच्छा- खासा संसद भवन था। 70 सालों से चल रहा था, किसी को कोई असुविधा नहीं हुई। पंडित जवाहरलाल नेहरू जी से लेकर वाजपेयी जी तक वहाँ पर सब उसी संसद में बैठे। अब बदलने की जरुरत क्या है भाई। क्योंकि हम शहंशाह है, हम सब कुछ कर सकते हैं।

तो अब आप समझ लीजिए। देखिए, थोड़ी सी शिकायत मुझे आपसे है। क्योंकि चुनाव आते हैं, हर चुनाव में आपको गुमराह कर देते हैं। हर चुनाव में धर्म की बात, जाति की बात और आप गुमराह हो जाते हैं और आप उसी आधार पर अपना वोट डाल देते हैं और मैं सिर्फ यहाँ पर इसलिए आई हूं ये कहने के लिए, अपने लिए अपना वोट दो। अपनी समस्याओं के आधार पर दो। किसी नेता को मत देखो, पार्टी को मत देखो। आप ये देखो कि विकास कौन लाएगा मेरे गांव में। मेरे जीवन में तरक्की कैसे होगी। कांग्रेस पार्टी बता रही है, ये रहा हमारा न्याय पत्र। सबके लिए कुछ है इसमें।

अगर आपको शक है, आपको लगता है कि सिर्फ चुनाव के लिए कह रहे हैं ये लोग। तो पता करो, कोई जानकार है, जिसको आप जानते हो जो कर्नाटका में रहता हो या फिर राजस्थान में जो पिछली सरकार में राजस्थान में था या जिसने बघेल जी की छत्तीसगढ़ में सरकार देखी, पूछो, क्या ये सच है कि जो कांग्रेस ने गारंटी दी थी, क्या वो लागू है तुम्हारे प्रदेश में। खुद जानकारी लो और जब जानकारी लोगे, पता चलेगा कि जहाँ-जहाँ हमने गारंटी दी है, वहाँ सबसे पहले सरकार बनते ही हमने वो गारंटी लागू की है।

हम उस राजनीतिक परंपरा से आते हैं, जिसका सबसे महान बेटा आपका बेटा था। महात्मा गांधी जी की राजनीतिक परंपरा से आते हैं। सत्य की परंपरा है। इससे बड़ी हिंदू धर्म में कोई परंपरा नहीं है। जितने भी भगवान हैं, जितने भी गुरु हैं, जितने भी संत रहे, सबने हमें यही कहा कि सत्य के पथ पर चलो। उसी पथ पर महात्मा गांधी जी चले, उसी पथ पर कांग्रेस पार्टी चली। हां, हो सकता है कि कहीं कभी 55 साल सरकार रही, कि कुछ गलतियां हुई, लेकिन उसमें भी सुधार लाए।

आज हम एक नई चेतना के साथ आपके सामने आए हैं। क्योंकि हम देख रहे हैं कि जो देश में हो रहा है, वो गलत है। हम चाहते हैं कि वो पुरानी परंपरा हमारी सत्य की

परंपरा, सेवा की परंपरा, आपके प्रति हर नेता को समर्पित करने की परंपरा, आज फिर से देश में लागू हो।

तो मैं बहुत लंबी बातें कर चुकी हूं। मैं जानती हूं आपने बहुत ध्यान से सुना, लेकिन आशा है कि जिस दिन आप वोट डालने जाएंगे, कहाँ है मेरी बहन, बनास की बहन, मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब मैं अपनी बहन के प्रचार में आती हूं, किसी भी बहन के प्रचार में। क्योंकि हम लोग सेवा अच्छी तरह करना जानते हैं, निष्ठा से करते हैं। देखिए, कह रही हैं कि आपके ही समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं और ये कह रही हैं कि ये चुनाव जनता लड़ेगी। मैं भी इन्हीं के साथ हूं, आप इनको भारी से भारी बहुमत से जिताइए, ताकि आपकी सेवा पूरी हो और आपकी सेवा अच्छी तरह हो।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत धूप है, आपने बहुत ध्यान से चुपचाप से मेरी बातें सुनी। आशा है कि जैसे मैं कह रही थी कि जिस दिन आप पोलिंग पर जाएंगे, दो मिनट लेकर मेरी बातों को याद करो कि मैंने सही कहा कि नहीं, कि मैं आपकी भलाई की बात कर रही हूं कि नहीं और आप मेरी बातों के आधार पर और अपने अनुभव के आधार पर वोट दो, गनीबेन को खूब भारी बहुमत से जिताओ। जय हिंद।

Sd/-
Secretary
Communication Deptt.
AICC